٧٨٦/٩٢

نقش تحفۂ روحانی وحل المشکلات

مَعَ اسْمِ اللهِ الْمَلِكِ السَّلٰمِ

صلی اللہ م ح م د علیہ وسلم
صلی اللہ ح م د م علیہ وسلم
صلی اللہ م د م ح علیہ وسلم
صلی اللہ د م ح م علیہ وسلم

اس نقش کو دیکھنے والے کی
ہر مشکل حل ہوگی انشاء اللہ

सलामे मोहम्मदी ﷺ
चहल मीम ग़ैर मन्क़ूत

अस्सलामुल्मुहम्मदिय्यु ﷺ मिनल मीमिल अर्बईन बिदूनिन्नुक़्ताति
सलामे मोहम्मदी चहल मीम ग़ैर मन्क़ूत 12

पेशकश

बमौक़ा सफ़र 1438हि0
बफ़ैज़े रूहानी सय्यिदुना मोहयुद्दीन
व सय्यिदुना मोईनुद्दीन व हज़रात
मख़्दूमीन सादात चौदहों पीराँ رضي الله عنهم

मोहम्मद अज़ीज़ सुल्तान नाचीज़

मअ़स्मिल्लाहिल मालिकिस्सलामि। अल्लाहुम्म लकल्ह़म्दुल अ ह़ दुस़ म दु ला इलाह इल्लल्लाहु स़ल्लि व सल्लिम कामिलन अ़ला मौलाई वुद्दि क व साइरिल आ़लमि वल्ला आ़लमि इस्मुहू अह़ म दु व माह़िवँ व मुस़्लिह़िवँ व मअ़सूमि कुल्लि आ़ ल मि क व अस़्लि आ द म व ह़व्वा अ व रसूलि मुल्कि क व ह़ाकिमि कुल्लिल अर्वाह़ि व हु व स़दरुल उ़ला मुह़म्मदुर्रसूलुल्लाहि व स़ा र वालिदुहू अस्लमल वालिदि व उम्मुहू अस्लमल उम्मि व आलुहू अस्लमल आलि व अ़ला वालिदिही व उम्मिही व आलिही वल मौला अ़लिय्यिवँ व वलदै अ़लिय्यिवँ व उम्मिहिमा व मुह़यिल इस्लामि व आलिही व वालियिल इस्लामि व आलिही व अह़ म द वलिय्यिल्लाहि व ह़वारिय्यि वलिय्यिल्लाहि व आलिही व कुल्लि उममि रसूलिल्लाहि अ़ द द इ़ल्मिल्लाहि कुल्लल ह़ालि।

मुराद : अल्लाह के इस्म के सहारे कि वही मालिक व सलामी वाला है

ऐ हमारे अल्लाह सारा ह़म्द अल्लाह ही के लिए है, वह अह़द है स़मद है वाह़िद अल्लाह ही इलाह है कामिल दुरूदो सलाम हमारे मौला अल्लाह के वदूद के लिए हो, आ़लमे मकाँ व ला मकाँ के राही के लिए हो कि उसका इस्म अह़मद है और (दुरूदो सलाम)माह़ी के लिए हो मुस़्लिह़ के लिए हो, अल्लाह के सारे आ़लम के मअ़सूम के लिए हो और आदम व ह़व्वा की अस़्ल के लिए हो अल्लाह के मुल्क के रसूल के लिए हो सारी रूह़ों के ह़ाकिम के लिए हो और वह आ़लमे उ़ला का मालिक मोह़म्मद ﷺ अल्लाह का रसूल है और उस रसूल के वालिद सलामी वाले हुए सारे वालिद से और माँ सारी माओं से और आलो औलाद सारे आलो औलाद से और (दुरूदो सलाम) उस रसूल के वालिद के लिए हो और माँ के लिए हो और आल के लिए हो, मौला अ़ली के लिए हो, मौला अ़ली के लाडलों के लिए हो और मौला अ़ली के लाडलों की वालिदह के लिए हो, इस्लाम के मुह़यी के लिए हो और आल के लिए हो, इस्लाम के मददगार के लिए हो और आल के लिए हो और अह़मद वलीयुल्लाह के लिए हो और वलीयुल्लाह के हम दमों के लिए हो और आल के लिए हो, अल्लाह के रसूल की सारी उमम के लिए हो हर दम मअ़ अ़ददे इ़ल्मे इलाही के।

तौज़ीह़ी तर्जमाः– अल्लाह के इस्म के साथ जो मालिक है सलामती देने वाला है। ऐ हमारे अल्लाह तेरे ही लिए तमाम तअ़रीफ़ है तू यक्ता है तू बेनियाज़ है अल्लाह के सिवा कोई मअ़बूद नहीं तू भेज ख़ूब ख़ूब कामिल दुरूदो सलाम हमारे मौला अपनी मोह़ब्बत पर मकानो ला मकाँ में सैर करने वाले पर जिनका इस्मे पाक ‘‘सब से ज़्यादा अल्लाह की तअ़रीफ़ करने वाला’’ है। (दुरूदो सलाम हो) बात़िल को मिटाने वाले पर और इस़्लाह़ करने वाले पर और तेरे सारे जहान के मअ़सूम पर और आदम व ह़व्वा की जान पर, तेरे मुल्क के रसूल पर, तमाम रूह़ों के ह़ाकिम पर और वह अ़र्श के मालिक मोह़म्मद ﷺ अल्लाह के रसूल हैं कि जिनके वालिद(सय्यिदुना अ़ब्दुल्लाह रद़ियल्लाहु अ़न्हु) तमाम वालिद में सब से ज़्यादा सलामती वाले हैं और जिनकी माँ (बी बी आमिना रद़ियल्लाहु अ़न्हा) तमाम माओं में सब से ज़्यादा सलामती वाली हैं और जिनकी आलो औलाद तमाम आलो औलाद में सब से ज़्यादा सलामती वाले हैं और (दुरूदो सलाम नाज़िल हो) आप ﷺ के वालिद पर और आप ﷺ की वालिदह पर और आल पर, ह़ज़रत मौला अ़ली रद़ियल्लाहु अ़न्हु पर और मौला अ़ली के दोनों लाडलों इमामे ह़सन व इमामे हुसैन अ़लैहिमस्सलाम पर और ह़स्नैन करीमैन की वालिदह ख़ातूने जन्नत सय्यिदह बीबी फ़ात़ेमा ज़हरा रद़ियल्लाहु अ़न्हा पर और दीन के ज़िन्दा करने वाले मुह़युद्दीन

सय्यिदुना शैख़ अ़ब्दुल क़ादिर जीलानी रद़ियल्लाहु अ़न्हु पर आप की आल पर और दीन के मददगार ख़्वाजा मोईनुद्दीन ह़सन सन्जरी पर आप की आल पर और ह़ज़रत मख़्दूम सय्यिद अह़मद वलीयुल्लाह पर आप के अस़्ह़ाबे रूह़ानी पर और आल पर, और अल्लाह के रसूल के सारे उम्मतियों पर हर दम इ़ल्मे इलाही की तअ़दाद के मुत़ाबिक़।

फ़ज़ीलत सलामे मोह़म्मदी ﷺ चहल मीम ग़ैर मन्क़ूत

यह ‘‘सलामे मोह़म्मदी चहल मीम’’ जो कि चालीस मीम के साथ बेग़ैर नुक़्ते वाले हुरूफ़ पर मुश्तमिल है इस का तर्जमा भी ग़ैर मनकूत़ है जिस को समझने के लिए तौज़ीह़ी तर्जमा शामिल है। जो शख़्स़ इस दुरूद को रोज़ाना १००/११/५ बार पढ़ने का अपना मअ़मूल बनाएगा उसे अल्लाह व रसूल की ख़ुश्नूदी ह़ास़िल होगी और जिस से अल्लाह व रसूल राज़ी हैं उस की भी ख़ुश्नूदी ह़ास़िल होगी वह हर बला से मह़फ़ूज़ होगा, रिज़्क़ में कुशादगी ह़ास़िल होगी और उस की हर ह़ाजत पूरी होगी वह नूरे अह़दियत व स़म्दियत से शर्फ़याब होगा और ज़ुम्रए अत्क़िया में उस का शुमार होगा नीज़ उसे अहले बैत की शफ़्क़त व मोह़ब्बत ह़ास़िल होगी और उन का दीदार नस़ीब होगा ईमान पर ख़ातेमा होगा। इन्शाअल्लाहु तआ़ला।

नोटः– आस्तान–ए–ह़ज़रात मख़्दूमीन सादात चौदहों पीराँ رضي الله عنهم से मुतअ़ल्लिक़ जुम्ला मत़बूआ़त मस्लन ‘‘दुरूदे रूह़ानी व दोआ़–ए–क़ल्बी, दुरूदे मोह़म्मदी, सलामे मोह़म्मदी मअ़ अस्रारे ‘‘मीम ह़ा मीम दाल’’ और दुरूदे चहल मीम’’वग़ैरह **www.syed14peer.com** पर मुलाह़ज़ा कर सकते हैं।

آستانہ حضرات مخدومین سادات چودھوں پیراں (علیہم الرحمۃ والرضوان) الہ آباد

www.syed14peer.com